बीकानेर के कई गांवों में 2010 बीघा सरकारी जमीन सोलर कंपनियों को बेची

करीब दो लाख रुपए प्रति बीघा बाजार कीमत वाली इन जमीनों से सरकार को सीधे तौर पर 40 करोड़ रुपए के राजस्व का चूना लगाया

- अब इन जमीनों को वापस अराजीराज करने की तैयारी की जा रही है, जिला कलैक्टर मामले में राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा
- आरोपियों ने 52 से 53 साल पुराने पट्टों के आधार पर नॉन टिनेंट/मृत्युपरांत वारिसों के नाम से आवंटन दर्ज किए

बीकानेर, (निसं)। पूगल क्षेत्र में सौर ऊर्जा की नींव फर्जी तरीके से बेची गई जमीनों पर रखी जा रही है। इनमें सबसे प्रमुख नाम भारत सरकार के उपक्रम मैसर्स एसजेवीएन (सतलुज जल विद्युत निगम लिमिटेड) ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का है। कंपनी ने यहां एक हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया है। नवरत्न कंपनी मैसर्स एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने करणीसर भाटियान और बांदरेवाला में 10 हजार बीघा में एक हजार मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया है। इसमें निजी काश्तकारों से खरीदी गई 400 बीघा जमीन का आवंटन फर्जी है। इसी प्रकार, जयपुर की एमआरएस बिल्ड विजन प्राइवेट लिमिटेड को भी 250 बीघा जमीन फर्जी तरीके से बेच दी गई। मैसर्स अवाड़ा आरजे बीकानेर प्राइवेट लिमिटेड और महाराष्ट्र इंडिया सहित कई सोलर कंपनियों को फर्जी तरीके से सरकारी जमीन बेची गई है। इन कंपनियों ने करोड़ों रुपए का निवेश भी कर दिया। ऐसी कुल 31 जमाबंदियां हैं, जिनमें से ज्यादातर जमीनें फर्जी तरीके से सोलर कंपनियों को बेच दी गईं। उनके म्यूटेशन चढ़ गए और लीज भी रजिस्टर्ड हो गई, जबकि कुछ जमीनों के एग्रीमेंट हो चुके हैं। फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद अब जमाबंदी में नोट लगा दिए गए हैं कि इनका उपयोग किसी भी कोर्ट में साक्षी के रूप में नहीं किया जा सकता।

जानकारी के अनुसार बीकानेर में सोलर की चमक से मालामाल होने के लिए भू-माफिया ने भ्रष्ट सरकारी तंत्र से मिलकर यह खेल रचा। करणीसर भाटियान, बांदरेवाला और दीनसर गांव में 50 साल पुराने पट्टों में सेंध लगाकर सरकार की कुल 2010 बीघा बेशकीमती भूमि को ही कब्जा लिया। करीब 2 लाख रुपए प्रति बीघा बाजार कीमत वाली इन जमीनों से सरकार को सीधे तौर पर 40 करोड़ रुपए के राजस्व का चूना लगाया गया है। अब इन जमीनों को वापस अराजीराज करने की तैयारी की जा रही है। यदि ऐसा हुआ तो सोलर कंपनियों को बड़ा भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। उधर, जिला कलेक्टर निशांत जैन ने इस मामले में राज्य सरकार से मार्गदर्शन मांगा है।

सरकारी जमीनों को हड़पने का यह पूरा खेल मार्च 2014 से लेकर फरवरी-2024 तक चला। आरोपियों ने 52 से 53 साल पुराने पट्टों के आधार पर नॉन टिनेंट/मृत्युपरांत वारिसों के नाम से आवंटन दर्ज किए। इस फर्जीवाड़े के लिए तत्कालीन एसडीएम सीता शर्मा और मनोज खेमदा, तहसीलदार रामेश्वर गढ़वाल व आदित्या, नायब तहसीलदार राजेश शर्मा, महेंद्र सिंह मुवाल, भंवरलाल ऑफिस कानूनगो, भू-अभिलेख निरीक्षक इकबाल सिंह, पटवारी राजेंद्र स्वामी, विकास पूनियां, लूणाराम, कालूराम, जयसिंह, मांगीलाल, रणवीरसिंह के खिलाफ पुलिस-एसीबी में जांच चल रही है। जमीन को वैध दिखाने के लिए आरोपियों ने साल 1970, 1971 से लेकर 1976 तक की पुरानी तारीखों में फर्जी आवंटन पत्र और पट्टे तैयार किए।

पुराने कागजों के दम पर सरकारी जमीन पर मालिकाना हक जताया। बिना किसी वैध मूल दस्तावेज के राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से रातों-रात सरकारी जमीनों के नामांतरण 31 निजी व्यक्तियों के नाम खोल दिए गए। जैसे ही जमीन कागजों में निजी हुई, उसे तुरंत मोटी रकम लेकर सोलर कंपनियों को बेच दिया गया। उपनिवेशन और राजस्व विभाग के नियमों को पूरी तरह दरकिनार करते हुए जमीनों को चिह्नित (पिक एंड चूज) किया गया, ताकि सोलर हब वाले बेल्ट की कीमती जमीनें हथियाई जा सकें।

यह घोटाला केवल एक बार नहीं, बल्कि एक चेन की तरह चला। 2021, 2022, 2023, जनवरी 2024 तक अलग-अलग तारीखों में कंप्यूटर और रजिस्टरों में फर्जी प्रविष्टियां (म्यूटेशन संख्या 545, 432,606 आदि) दर्ज की जाती रहीं, ताकि सोलर कंपनियों को बेची गई जमीन का रिकॉर्ड साफ-सुथरा दिखे।

निशांत जैन, बीकानेर, कलैक्टर का कहना है कि मामला संज्ञान में आया है। उक्त संपूर्ण भूमि की जमाबंदी पर नोट अंकित कर दिया है, ताकि इस भूमि का आगे बेचान न हो सके। प्रकरण शीघ्र निस्तारण के प्रयास किए जा रहे हैं।

अलवर में आधे घंटे की तेज बारिश से सड़कें लबालब

अलवर शहर तेज बारिश के सड़कों पर दो फीट से ज्यादा पानी भर गया।

- 12 सितंबर को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, 13 सितंबर से मौसम में बदलाव की संभावना जताई

अलवर, (निसं)। अलवर जिले में शुक्रवार को दोपहर बाद अचानक मौसम पलट गया। शहर सहित जिले के कुछ हिस्सों में कहीं मध्यम बारिश तो कहीं तेज बारिश हुई। शहर में करीब आधा घंटे से ज्यादा हुई बारिश के बाद गोपाल टॉकिज रोड पर करीब दो फीट से ज्यादा पानी भर गया।

जानकारी के अनुसार सुबह से ही कभी धूप तो कभी बादल छाए रहे। वहीं सरिस्का की तरफ अगर अच्छी बारिश होती है तो रूपारेल नदी में पानी की आवक होगी। इसके बाद जयसंमद बांध में पानी की आवक हो सकती है। इस साल मानसून में अच्छी बारिश नहीं होने से अलवर के कई प्रमुख बांध अभी खाली हैं। पिछले दिनों बारिश के बाद जयसमंद बांध में पानी की आवक हुई थी, लेकिन एक-दो दिन में ही पानी कम हो गया। ऐसे में बांधों में पानी की आवक नहीं होने से जलाशयों में रौनक कम है। मौसम विभाग के 7 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार, 12 सितंबर को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है। इसके बाद 13 सितंबर से मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दिन गरज-चमक के साथ बारिश होने और आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। 14 सितंबर को भी गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रह सकता है। 15 और 16 सितंबर को भी बारिश की संभावना जताई गई है। इससे तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

भीलवाड़ा के तीर्थयात्री देवीलाल का पांचवें दिन भी नहीं लगा सुराग

उत्तराखंड के देवप्रयाग के पास तोताघाटी में 300 फीट गहरी खाई में गिरी कार बरामद हुई

भीलवाड़ा, (निसं)। चारधाम यात्रा से लौट रहे भीलवाड़ा जिले के कीरखेड़ा निवासी देवीलाल तेली (45) का हादसे के पांचवें दिन भी कोई सुराग नहीं मिल पाया है। उत्तराखंड के देवप्रयाग के पास तोताघाटी में 6 सितंबर की शाम उनकी कार अनियंत्रित होकर करीब 300 फीट गहरी खाई में जा गिरी थी। एसडीआरएफ और स्थानीय पुलिस की टीमें दुर्गम पहाड़ी इलाके में लगातार सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

लापता देवीलाल

परिजनों के अनुसार, देवीलाल अपने बेटे लखन, दामाद और एक मित्र के साथ चारधाम यात्रा पूरी कर कार से घर लौट रहे थे। 6 सितंबर की शाम तोताघाटी के पास भारी ट्रैफिक जाम लगा था। इस दौरान कार में सवार अन्य तीनों लोग लघुशंका के लिए नीचे उतरे, जबकि देवीलाल कार में ही बैठे रहे। इसी बीच ढलान पर खड़ी कार अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा समाई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद खाई से क्षतिग्रस्त कार को तो बरामद कर लिया, लेकिन देवीलाल का कोई पता नहीं चला। पहाड़ी क्षेत्र में हो रही लगातार बारिश, घने कोहरे और दुर्गम चट्टानों के कारण रेस्क्यू टीम को तलाशी अभियान में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। देवीलाल का सुराग न मिलने से भीलवाड़ा स्थित उनके गांव कीरखेड़ा में परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पांच दिन बीत जाने के बाद परिवार की चिंता बढ़ती जा रही है और किसी अनहोनी की आशंका के चलते घर पर गमी की बैठक भी शुरू कर दी गई है। परिजन उत्तराखंड प्रशासन की ओर से किसी भी सकारात्मक सूचना का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नहर में डूबे युवक का शव मिला, मृतक की शिनाख्त हुई

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में दांयी मुख्य नहर में डूबे युवक का शव घटना से एक से डेढ़ किलोमीटर दूर बरामद किया गया। मृतक युवक की शिनाख्त बजरंगपुरा निवासी पवन प्रजापत के रूप में की गई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को नान्ता क्षेत्र में एक युवक पैर फिसलने से दांयी मुख्य नहर में गिर गया, जिसकी सूचना लोगों ने पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गोताखोर टीम को सूचना दी गई। युवक की तलाश में जुटी गोताखोर टीम को घटना से करीब एक से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक का शव बरामद हुआ।

नगर निगम के गोताखोर विष्णु श्रृंगी ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से काली बस्ती की ओर दांयी मुख्य नहर में एक युवक के बहने की सूचना मिली। पानी का बहाव तेज होने के कारण नहर को पहले बंद कराया गया और गोताखोर टीम लेकर मौके पर पहुंचे। विष्णु श्रृंगी ने बताया कि करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद घटना से एक से डेढ़ किलोमीटर दूर नहर में डूबे युवक का शव बरामद किया गया, शव को बाहर निकालकर पुलिस को सौंप दिया गया।

नान्ता थाने के एएसआई शिवराज सिंह ने बताया कि काली बस्ती के समीप दांयी मुख्य नहर में एक युवक के डूबने की सूचना मिली, जिस पर गोताखोर टीम को मौके पर बुलाकर नहर में बहे युवक के शव को बरामद कर बाहर निकाला गया। एएसआई ने बताया कि मृतक की शिनाख्त बजरंगपुरा निवासी पवन प्रजापत (28) के रूप में हुई। पवन घर से निकला था, काली बस्ती के समीप दांयी मुख्य नहर में पैर फिसलने से नहर में बह गया। एएसआई ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मृग दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन कल

1.77 लाख से अधिक अभ्यर्थी देंगे परीक्षा, 429 केंद्रों पर होगी ओएमआर आधारित परीक्षा

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा-2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए कोटा विश्वविद्यालय ने परीक्षा संबंधी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस वर्ष 1,77,901 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा के लिए राज्य के सात संभागीय मुख्यालयों में कुल 429 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा 13 सितंबर को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक ऑफलाइन ओएमआर आधारित प्रणाली से आयोजित होगी। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एसईटी-2026 का आयोजन कोटा विश्वविद्यालय द्वारा कुलगुरु प्रो. बी.पी.सारस्वत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। परीक्षा का आयोजन यूजीसी-नेट के नवीनतम मानकों के अनुरूप किया जाएगा। परीक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए कोटा विश्वविद्यालय में केंद्रीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है।

कुलगुरु प्रो.बी.पी. सारस्वत ने बताया कि परीक्षा की सुरक्षा, गोपनीयता और संवेदनशीलता से जुड़े सभी मानकों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने अभ्यर्थियों से निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करने और परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचने की अपील की।

समन्वयक सेट-2026 प्रो.धनश्याम शर्मा ने बताया कि प्रवेश-पत्र पर अंकित परीक्षा केंद्र और रोल नंबर के कोड को केवल सांकेतिक न मानते हुए परीक्षा केंद्र की वास्तविक लोकेशन पहले से सुनिश्चित कर लें। इसके लिए परीक्षा से एक दिन पूर्व केंद्र पर जाकर स्थान की जानकारी प्राप्त करने की सलाह दी गई है, ताकि परीक्षा के दिन किसी प्रकार की परेशानी न हो। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों से परीक्षा से संबंधित नवीनतम सूचनाओं के लिए कोटा विश्वविद्यालय की वेबसाईट का नियमित अवलोकन करने की अपील की है।

बोलेरो कैंपर ने पैदल श्रद्धालुओं को कुचला, तीन की मौत

जोधपुर के शेरगढ़ स्थित भूंगरा मेगा हाइवे पर मध्यरात्रि को हुआ हादसा

- तेना-नाथासर से बाबा के दर्शन के लिए निकले थे पांच जातरू

जोधपुर, (कासं)। जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा मेगा हाईवे की सरहद के पास मध्यरात्रि में हुए दर्दनाक सड़क हादसे में पैदल रामदेवरा जा रहे तीन जातरुओं की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि तेना-नाथासर गांव से पांच जातरू रात करीब 10 बजे बाबा रामदेव के दर्शन के लिए पैदल रवाना हुए थे। मेगा हाइवे पर पहुंचते ही एक अनियंत्रित बोलेरो कैंपर ने तीन जातरुओं को कुचल दिया। हादसे की जानकारी होने पर स्थानीय निवासी बिशन सिंह मौके पर पहुंचे और घायलों को शेरगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान नाथासर निवासी महेश पुत्र चंद्राराम, अंबाराम पुत्र कुंभाराम और भानाराम पुत्र अनोपाराम के रूप में हुई है। हादसे की सूचना मिलने पर शेरगढ़ थाना अधिकारी खेताराम सियोल और एएसआई रूगाराम पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल बोलेरो कैंपर को जब्त कर लिया और मामले की जांच शुरू की।

तीनों शवों को शेरगढ़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। घटना के बाद बड़ी संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल पहुंचे, जिससे मोर्चरी के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना के बाद गांव में शोक की लहर है।

फैक्टरी से छह लाख का तांबा व पीतल चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती बोरानाडा क्षेत्र में झंवर रोड स्थित एक रेडियटर फैक्टरी के मुख्य दरवाजे के ताले तोड़कर अज्ञात चोर करीब छह लाख रुपए कीमत का तांबा एवं पीतल का सामान चोरी कर ले गए। फैक्टरी मालिक की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शास्त्रीनगर निवासी प्रमोद अग्रवाल ने रिपोर्ट दी कि उसकी प्रथम चरण, झंवर रोड स्थित रेडियटर बनाने की फैक्टरी है। फैक्टरी में तांबा, पितल एवं तांबे से बने अन्य उत्पादों का स्टॉक रहता है। परिवादी के मुताबिक गत माह 15 और 16 अगस्त को छुट्टी होने के कारण फैक्टरी बंद थी। 17 अगस्त को फैक्टरी पहुंचने पर मुख्य दरवाजे के दो ताले टूटे मिले। अंदर जांच करने पर तांबे-पितल के पर्दे, कॉइल सहित करीब 5 से 6 लाख रुपए का माल गायब मिला।

बीकानेर के एक सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है लालगढ़ स्टेशन

महाप्रबंधक उत्तर-पश्चिम रेलवे पंकज शर्मा ने बीकानेर दौरे के दौरान लालगढ़, बीकानेर और देशनोक स्टेशनों का निरीक्षण किया

- पंकज शर्मा ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किए जा रहे विकास कार्यों, मूलभूत यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया

बीकानेर/जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने शुक्रवार को बीकानेर, देशनोक एवं लालगढ़ स्टेशनों का निरीक्षण किया गया। लालगढ़ स्टेशन को बीकानेर के एक सेटेलाइट स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत महाप्रबन्धक ने बीकानेर रेलवे स्टेशन से देशनोक स्टेशन तक ट्रेक का फुट प्लेट निरीक्षण किया। इस दौरान महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने स्टेशन का निरीक्षण भी किया।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने बीकानेर जिले के स्टेशनों का निरीक्षण किया।

महाप्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित देशनोक स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया, बुकिंग विंडो, आधुनिक प्रतीक्षालय, डॉरमेट्री, स्टेशन कक्ष, आईपीएस रूम, स्टेशन यार्ड तथा दिव्यांग जनों की सुविधाओं सहित अन्य यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर साफ-सफाई, यात्री सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

महाप्रबंधक ने बीकानेर स्टेशन पर प्रेस वार्ता के दौरान स्टेशन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति के बारे में अवगत कराया एवं निरीक्षण के दौरान स्टेशन पर चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान यार्ड रीमॉडलिंग एवं हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। महाप्रबंधक ने इन परियोजनाओं से परिचालन क्षमता में होने वाली वृद्धि तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने तथा रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने मंडल में चल रहे विकास एवं आधारभूत संरचना से संबंधित कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। निरीक्षण के दौरान उत्तर पश्चिम रेलवे के विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक जोधपुर एवं बीकानेर सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के पैर छूने का वीडियो वायरल

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान नगरीय निकाय चुनाव के दूसरे चरण में शुक्रवार को मतदान के दौरान जोधपुर के वार्ड नंबर 82 में एक मामला चर्चा में आ गया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत महामंदिर स्थित वर्धमान जैन स्कूल मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने गहलोत के पैर छू लिए। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला राजनीतिक विवाद में बदल गया।

भाजपा ने संबंधित पोलिंग कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए चुनाव की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए। हालांकि, जिला निर्वाचन आयोग द्वारा कराई गई त्वरित प्राथमिक जांच में यह पूरा मामला कुछ और ही निकला। जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई जांच और सीसीटीवी फुटेज के सत्यापन के बाद यह साफ हो गया है कि मतदान केंद्र पर अशोक गहलोत के पैर किसी एक व्यक्ति ने नहीं, बल्कि तीन अलग-अलग लोगों ने छुए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि पैर छूने वाले इन तीन लोगों में से कोई भी चुनाव ड्यूटी पर तैनात सरकारी पोलिंग कर्मचारी नहीं था।

उदयपुर नगर निगम चुनाव में कई बूथों पर फर्जी मतदान हुआ

कई बूथों पर एवीएम खराब होने से व्यवधान होने की भी जानकारी सामने आई

उदयपुर, (कासं)। नगरीय निकाय चुनाव-2026 के द्वितीय चरण के तहत शक्रवार को जिले के उदयपुर नगर निगम सहित तीन निकायों में मतदान सम्पन्न हुआ। इस दौरान कई बूथों पर फर्जी मतदान करने की शिकायतें भी मिली है। वहीं कई बूथों पर एवीएम खराब होने से व्यवधान होने की भी जानकारी मिली है। एक बूथ पर कांग्रेस समर्थक बूथ सीमा में पहुंचे तो भाजपा ने विरोध जताया।

जानकारी के अनुसार मतदान के दौरान वार्ड नंबर 23 में हंगामा हो गया। यहां कांग्रेस समर्थकों के बूथ की निर्धारित सीमा के अंदर जाने पर भाजपा ने विरोध किया। बूथ की निर्धारित सीमा के अंदर मौजूद कांग्रेस समर्थकों को देखकर भाजपा शहर जिला उपाध्यक्ष दिग्विजय श्रीमाली ने कड़ा विरोध जताया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए सभी को बाहर किया। उदयपुर के वार्ड संख्या 76 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, शोभागपुरा में तीन मतदाता वोट करने गए तो उनको पता चला कि वहां उनका वोट पहले ही कोई डालकर चला गया। मतदाताओं ने फर्जी वोट डालने का आरोप लगाते हुए नाराजगी जताई। इसके बाद वहां से निकल गए।

शोभागपुरा राजकीय प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बाहर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों को पुलिस ने हटाया। यहां दोनों दलों के समर्थक बूथ की 200 मीटर की सीमा के अंदर प्रचार कर रहे थे। बता दें कि उदयपुर में कुल 220 कैंडिडेट्स के भाग्य का फैसला होगा। इनमें भाजपा और कांग्रेस के 160 उम्मीदवार हैं। वार्ड 14 में एवीएम में तकनीकी खराबी के कारण मतदान 45 मिनट तक बाधित रहा। जानकारी मिलने पर दूसरी मशीन लगने के बाद मतदान पुनः शुरू हुआ। इस वार्ड में तीन मतदाताओं के फर्जी वोट डाले जाने की जानकारी मिली है। यहाँ वैकल्पिक पहचान पत्रों के आधार पर फर्जी मतदान होना उजागर हुआ।

उदयपुर के 80 में से 39 वार्डों में सीधे भाजपा-कांग्रेस की टक्कर है। उदयपुर नगर निगम में भाजपा-कांग्रेस के मेयर दावेदारों ने अपने वार्ड में पूरी ताकत लगाई है। भाजपा से वरिष्ठ नेता दिनेश भट्ट, प्रमोद सामर, अतुल चंडालिया और पारस सिंघवी तो कांग्रेस की ओर से हितांशी शर्मा, शंकर चंदेल, अरूण टांक और डॉ.पूनम कुंवर राठौड़ मेयर के प्रमुख दावेदार है।

एक महीने से घूम रहे लैपर्ड को पिंजरे में पकड़ा

वन विभाग की टीम ने लैपर्ड का रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया

- दामड़ी और आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के दौवड़ा वन विभाग क्षेत्र के दामड़ी के नालफला बामणिया तालाब इलाके में करीब एक महीने से एक लैपर्ड घूम रहा था। इससे ग्रामीणों में डर का माहौल था। वन विभाग की टीम ने अब इस लैपर्ड का रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया है।

ग्रामीणों की सूचना और उनके सहयोग के बाद वन विभाग ने लैपर्ड को पकड़ने का अभियान शुरू किया। डीएफ ओ के निर्देश पर आतरी वन रेंज के रेंजर तेजसिंह चौहान ने एक टीम बनाई। टीम ने लैपर्ड की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए। साथ ही, इलाके में पगमार्गों की निगरानी की और लैपर्ड के आने-जाने की जगहें पहचानी। इन जगहों पर पिंजरे लगाए गए और लगातार निगरानी रखी गई।

रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा :- कई कोशिशों के बाद लैपर्ड को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि लैपर्ड को सुरक्षित जगह पर ले जाकर जंगल में छोड़ दिया गया है। इससे दामड़ी और आसपास के ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इस रेस्क्यू अभियान में पंचायत समिति सदस्य सुरमाल परमार, हिम्मतसिंह और दामड़ी के ग्रामीण भी शामिल थे। वन विभाग की ओर से रेंजर तेजसिंह चौहान, चंद्रवीर सिंह, वनपाल हर्षवर्धन सिंह, पिंटू यादव, हरिओम सिंह, नाथूराम रोत और अन्य कर्मचारी भी मौजूद रहे।